

[This question paper contains 1 printed page.]

Roll No. _____

S. No. of Question Paper : 11487
Unique Paper Code : 2131002005
Name of the Paper : (Intermediate) Administrative Structure in Kauṭilya's Arthaśāstra, AEC
Name of the Course : Common Prog. Group-AEC
Semester : III
Duration : 2 Hours
Maximum Marks: 60

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश / Instructions for candidates:

1. इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरन्त शीर्ष पर अपना अनुक्र लिखें।
Write your Roll. No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

Answer all questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. अर्थशास्त्र के लेखक के विषय में परिचय देते हुए इसके विभिन्न संस्करणों पर प्रकाश डालिए। 15
Giving an introduction to the author of Arthashastra, throw light on its various renditions.
अथवा /OR
कौटिल्यकृत अर्थशास्त्र की विषयवस्तु पर प्रकाश डालिए।
Discuss the subject matter of Kautilya's Arthashastra.
2. कौटिलीय-अर्थशास्त्र में निरूपित 'सीताध्यक्ष' के कर्तव्यों का वर्णन कीजिए। 15
Explain the duties of 'Sitadhyaksha' as described in the Arthashastra of Kautilya.
अथवा /OR
कौटिलीय-अर्थशास्त्र में वर्णित 'धर्मस्थीय' न्यायालय के कार्यों पर प्रकाश डालिए।
Discuss the work of 'Dharmasthiya' Court (Nyayalaya) as described in Kautilya's Arthashastra.
3. कौटिलीय-अर्थशास्त्र में वर्णित कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। 15
Discuss the concept of welfare state mentioned in Kautilya's Arthashastra.
अथवा/OR
कौटिल्यकृत अर्थशास्त्र के अनुसार करसंग्राहक के रूप में 'समाहर्ता' के कार्यों का वर्णन कीजिए।
Explain the work of 'Samaharta' as a tax-collector according to Arthashastra.
4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर विवेचनात्मक टिप्पणी लिखिए : 7.5x2=15
Write explanatory notes on any two of the following:
(i) दुर्ग और कोष : Durg and kosha
(ii) सन्निधाता : Sannidhata
(iii) कण्टकशोधन : Kantakashodhan
(iv) सप्तांग सिद्धान्त : Saptanga Theory.